**Regarding need to establish Kapilvastu Corridor- laid**

श्री जगदम्बिका पाल **(डुमरियागंज) :** कपिलवस्तु केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि भगवान बुद्ध की जीवनयात्रा का आरंभ बिंदु है । यहीं पर उन्होंने अपने जीवन के 29 वर्ष बिताए, सत्य की खोज में वैराग्य की भावना जागी और उन्होंने राजसी वैभव त्यागकर मानवता को ज्ञान, अहिंसा और करुणा का मार्ग दिखाया । यह भूमि केवल भारतीय संस्कृति की नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की आध्यात्मिक धरोहर है ।आज, विश्वभर में बौद्धधर्म के अनुयायी बढ़ रहे हैं, लेकिन भगवान बुद्ध की जन्मभूमि कपिलवस्तु बुनियादी सुविधाओं और संरचनात्मक विकास से वंचित है । इसलिए, कपिलवस्तु कॉरिडोर की स्थापना अत्यंत आवश्यक है, जिससे यह स्थान श्रद्धालुओं के लिए अधिक सुलभ, सुव्यवस्थित और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बन सके । इस परियोजना के तहत आधुनिक तीर्थ सुविधाएं, ध्यान केंद्र, संग्रहालय, शोध संस्थान, पुस्तकालय, विश्वस्तरीय बौद्ध अध्ययन केंद्र, स्वच्छ व सुरक्षित परिवेश का निर्माण किया जाए । यह कॉरिडोर न केवल आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, बल्कि बौद्ध संस्कृति, दर्शन, इतिहास और शिक्षा का एक वैश्विक केंद्र भी होगा, जिससे भारत की सांस्कृतिक विरासत को नई ऊंचाईयाँ मिलेंगी । भगवान बुद्ध की जन्मस्थली को उसकी गरिमा के अनुरूप सम्मान मिलना चाहिए । मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि कपिलवस्तु कॉरिडोर को शीघ्र स्वीकृति दी जाए, जिससे यह स्थान वैश्विक श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा और आस्था का केंद्र बन सके ।